मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 209, मुंबई, बुधवार, 28 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मुंबई पर...

आतंकी खतरा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के खुफिया विभाग को आशंका है कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में फिर एक बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। इस बार यह हमला ड्रोन या मिसाइल के जरिए किया जा सकता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शहर में धारा 144 लागू, आदेश में कहा गया है कि अगले 30 दिनों तक यह लागू रहेगा

भीड़भाड़ वाली जगहें और वीवीआईपी चेहरों को बनाया जा सकता है निशाना

ड्रोन, मिसाइल और एयरक्राफ्ट से हमले का अलर्ट

एक महीने तक मुंबई में फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पर लगी पाबंदी

मुंबई में मालवी मल्होत्रा को 4 बार चाकू मारा, आरोपी प्रोड्यूसर से फेसबुक पर हुई थी दोस्ती

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले

CORONA POSITIVE

महामारी को लेकर दिया था 'गो कोरोना गो' का नारा

संवाददाता/मुंबई। केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास अठावले की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद उन्होंने खुद को होम क्वारैंटाइन कर लिया है। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्थिति सामान्य है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में इन नामचीन राजनेताओं को हुआ कोरोना

महाराष्ट्र में राजनीतिक हस्तियों में कोरोना लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को डिप्टी सीएम अजित पवार भी कोरोना पॉजिटिव हुए। उनका मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस भी संक्रमित हैं और आइसोलेशन में हैं। इनसे पहले सहकारिता मंत्री बाला साहेब पाटिल, मंत्री अशोक चव्हाण, असलम शेख, उदय सावंत, जितेंद्र अह्वाड, धनंजय मुंडे, संजय बंसोड़ और अब्दुल सत्तार संक्रमित हो चुके हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सरकार का आश्वासन

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने जो कहा, उससे यह मान लिया जाना चाहिए कि जल्द ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या को सुलझाने के गंभीर प्रयास होते दिखाई देंगे। सरकार ने कहा है कि इस क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए वह एक विधिक संस्था की स्थापना दो-तीन दिन में ही कर देगी। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड न्यायधीश मदन बी लोकुर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी, जिसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाने के इस क्षेत्र पर पड़ने वाले असर की जांच और उसे रोकने के तरीके सुझाने थे। अदालत में केंद्र सरकार ने जो तर्क दिया, वह पिछले कई दिनों से दोहराया जा रहा था। उसने कहा कि पराली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रदूषण का सिर्फ एक कारक है और असल समस्या कहीं ज्यादा बड़ी है, इसलिए एक ऐसी स्थाई संस्था की जरूरत है, जो इसके सभी पक्षों पर एक साथ काम करे। अदालत ने इस तर्क को समझा और जस्टिस लोकुर की अध्यक्षता वाली समिति का समापन कर दिया। यानी अब केंद्र सरकार को इसके लिए सिर्फ संस्था बनाने का काम ही नहीं करना होगा, इसके भी पूरे प्रावधान करने होंगे कि दिल्ली और आस-पास के इलाके को हर साल इस मौसम में बन जाने वाले दमघोंटू माहौल से मुक्ति मिल सके। यह ठीक है कि पराली जलाने की बात को इन दिनों कुछ ज्यादा ही महत्व दे दिया जाता है, जबकि पूरे प्रदूषण में उसकी हिस्सेदारी बहुत नहीं है। अगर किसान पराली जलाना पूरी तरह से बंद कर दें, तो भी इस क्षेत्र की समस्या पर बहुत असर नहीं पड़ने वाला। सच यह भी है कि इस मौसम में हर साल जब यहां प्रदूषण बढ़ना शुरू होता है, तब दिल्ली की कई संस्थाओं और स्थानीय नेताओं के लिए सबसे सुविधाजनक यही होता है कि वे दूसरे प्रदेशों के किसानों के मत्थे आरोप मढ़कर अपन कर्तव्य पूरा मान लें। लेकिन इस सबके बावजूद धान या गेंहूं की पराली जलाने को स्वीकार्य नहीं किया जाना चाहिए। अगर इसका धुंआ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को प्रदूषित नहीं भी कर रहा होता, तो भी स्थानीय स्तर पर इसका फैलना, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर और सबसे बड़ी बात है कि ग्लोबल वार्मिंग के दौर में इससे होने वाला कार्बन उत्सर्जन, इन सब चीजों को किसी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इसका समाधान निकाला जाना जरूरी है, ऐसा समाधान जो पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसे किसानों पर किसी भी तरह का अर्थिक दबाव न बनाए। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के स्तर पर इसके जो समाधान निकाले जाने हैं, वे इससे भी आसान होंगे, बशर्ते कि इस क्षेत्र की सरकारें इसके लिए प्रतिबद्धता दिखाएं। अभी दो दिन पहले ही जब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हो रही बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की हवा को गंदा कहा, तो हम सभी को बुरा लगा था, लेकिन तीन दिन बाद ही जब पूरा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र इस प्रदूषण से हर साल की तरह त्रस्त हो रहा था, तो अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पांपियो और रक्षा मंत्री मार्क इस्पर, दोनों देशों की महत्वपूर्ण वार्ता के लिए दिल्ली पधारे। जरा सोचिए कि वे अपने साथ दिल्ली की हवा की कौन सी छवि लेकर जाएंगे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो आश्वासन दिया है, उससे इसीलिए बहुत उम्मीदें हैं।

अपनी असाधारण प्रकृति के कारण कोरोना वायरस मानव इतिहास में बहुत ही विध्वंसकारी

भारत में सक्रिय मामलों में जब धीरे-धीरे कमी आ रही है, तो एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि देश ने कोरोना के पीक बिंदु को भले ही पार कर लिया हो, मगर ठंड में वायरस से रार छिड़ने वाली है। फिलहाल, यह आशंका यूरोप के ही लोगों को ध्यान में रखकर व्यक्त की जा रही है। कुछ हद तक यह सही भी है।

जाड़े का मौसम वायरस के लिए बेशक ज्यादा मुफीद होगा, लेकिन जैसा पहले भी कहा गया है कि अपने देश के हालात को हम यूरोप के साथ एक तराजू में नहीं तौल सकते। हमारी सरकार ने महामारी के प्रसार को जिस सावधानी से प्रबंधित किया, वह मिसाल है। ऐसा किसी भी अन्य देश का संदर्भ नहीं मिला जहां कोविड टेस्टिंग लैब की संख्या 52 से बढ़ाकर 18 हजार कर दी गई हो। अपनी असाधारण प्रकृति के कारण कोरोना वायरस मानव इतिहास में बहुत ही विध्वंसकारी है। शरीर में प्रवेश करने के बाद जब तक यह अपनी लाखों प्रतिकृति नहीं बना लेता है, तब तक व्यक्ति को पता ही नहीं चल पाता कि वह बीमार भी है। ऐसे में वह इसी दौरान अनजाने में अपने संपर्क में आए अनेक लोगों को वायरस का 'उपहार' भेंट कर चुका होता है। भारत में कोरोना वायरस के पिछले कुछ दिनों का रिकार्ड देखें तो एक बात साफ है, संक्रमण के चरम बिंदु को अब हमने पार कर लिया है। इसके साथ ही यह भी सर्वविदित है कि हमारी आनुवंशिक विविधता यूरोप से कहीं ज्यादा है। इस उच्चस्तरीय विविधता के कारण हममें खतरनाक बीमारियों से बचने की अधिक संभावना होती है। जीन में अधिक परिवर्तनशीलता 'योग्यतम की उत्तरजीविता' में सफल होने और जीवित रहने की अधिक संभावना वाली होती है। दूसरी ओर एसीई-2 जीन जो कि वायरस के लिए गेटवे का काम करता है, यूरोप के 20 फीसद लोगों के मुकाबले हमारी 60 फीसद जनसंख्या में बहुत ही मजबूत है। भारत में 70 लाख से ज्यादा संक्रमित लोग स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि कंप्यूटर सिमुलेशंस में दिखाया जा चुका है कि असली संक्रमणों की संख्या 10 गुनी से भी ज्यादा है। इसका सीधा मतलब यह है कि एक बड़े समूह के लोगों में कोरोना वायरस के विरुद्ध एंटीबाडी बन चुकी है, वह भी उनमें जो हाट-स्पाट वाले क्षेत्रों में रह चुके हैं। अभी तक के शोध-कार्यों से यह पता चल रहा है कि कोविड से स्वस्थ हो चुके लोगों में एंटीबाडी कुछ दिनों से कुछ महीनों तक ही रह सकती है। बहरहाल, हाल-फिलहाल कुछ ऐसे दुर्लभ केस भी रिपोर्ट किए गए हैं, जिनमें कोरोना का संक्रमण दोबारा हो गया है। आइसीएमआर ने कोरोना के दोबारा उभरने के लिए औसतन 100 दिन का समय निर्धारित किया है। इसलिए वैक्सीन पर अब यही उम्मीद की जा सकती है कि एंटीबाडी का प्रभाव रि-कवर्ड लोगों में खत्म होने तक लांच हो जाए। अपेक्षाकृत कम उत्परिवर्तन दर और ज्यादा जगहों पर एक ही कोविड स्ट्रेन के फाउंडर इफेक्ट के कारण इस वायरस के लिए तैयार वैक्सीन के काफी कारगर होने की उम्मीद है। इस वायरस में औसतन दो म्यूटेशन हर माह हो रहा है, जो कि मौसमी फ्लू की म्यूटेशन रेट के आधे से भी कम है। इसको ध्यान में रखते हुए कोरोना वायरस जीनोम मौसमी फ्लू जीनोम से लगभग दोगुना है। मौसमी फ्लू का उत्परिवर्तन कोरोना वायरस के मुकाबले लगभग चार गुना तेज है। इसके इस तरह तेज म्यूटेशन के कारण ही हर मौसम में इसका टीका बनाना पड़ता है। इसके उलट कोरोना वायरस की काफी धीमी उत्परिवर्तन दर और वैक्सीन का इंतजार हमें सकारात्मक रुख अपनाने को अग्रसर कर रहा है। आनुवांशिक विविधता, बड़ी आबादी में एंटीबॉडी का निर्माण, सरकार की तैयारी और वायरस की कमजोर प्रकृति जैसे पहलुओं के बाद भी सर्दी में हमें ज्यादा सतर्कता बरतनी होगी।

टीवी चैनलों द्वारा टीआरपी के लालच में मीडिया ट्रायल की प्रवृत्ति घटने के बजाय बढ़ती जा रही है

पिछले दिनों मुंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के एक वर्ग से नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा कि जब आप ही जांचकर्ता, अभियोजक और जज बन जाएंगे तो अदालतों की क्या जरूरत है? दरअसल न्यायालय एक जनहित मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें सुशांत सिंह प्रकरण से जुड़े विषयों पर मीडिया ट्रायल रोकने की मांग की गई है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की ओर से जब अभिव्यक्ति की आजादी का हवाला देते हुए यह कहा गया कि इससे इस प्रकरण की गुत्थी सुलझने में मदद मिली है तो अदालत ने कानून पढ़ने की सलाह देते हुए उसके मुताबिक आचरण करने की नसीहत दी। सुशांत-रिया प्रकरण और अब टीआरपी यानी टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट से जुड़े विवाद ने अदालत को सख्त टिप्पणी करने को मजबूर किया। इसकी शुरूआत तो आपराधिक घटनाओं की तथ्यात्मक रिपोर्टिंग से हुई थी, लेकिन टीआरपी के लालच ने इसे सनसनीखेज रिपोर्टिंग में तब्दील कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कोई भी हथकंडा अपनाने से गुरेज नहीं किया जा रहा है। टीवी चैनलों की वजह से लोग अदालत के निर्णय से पहले ही समाज की निगाहों में अपराधी बना दिए जा रहे हैं। यह अन्याय की पराकाष्ठा है। यह सब कुछ शुद्ध रूप से व्यापार बढ़ाने के लिए किया

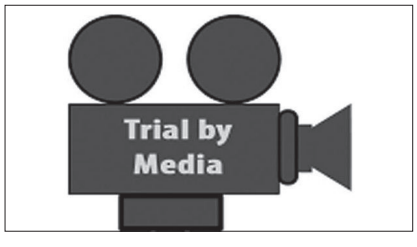

जा रहा है, किंतु इसका दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ ली जा रही है। मीडिया ट्रायल न्यायालय की अवमानना की परिधि में आता है। इसके माध्यम से किसी के पक्ष में या उसके खिलाफ एक माहौल तैयार होता है, जो अदालत के कामकाज में हस्तक्षेप है। यह 1971 के न्यायालय की अवमानना कानून की धारा 2(सी) के खंड तीन के अंतर्गत दंडनीय अपराध है, किंतु इस पर कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। वास्तव में स्वतंत्र न्याय प्रशासन उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि स्वतंत्र प्रेस। दोनों ही समाज के लिए जरूरी हैं, परंतु मीडिया को न्यायिक व्यवस्था में दखलंदाजी की अनुमति नहीं दी जा सकती। हर अभियुक्त का यह अधिकार है कि उसके मुकदमे का स्वतंत्र और निष्पक्ष विचारण हो। अभियुक्त का यह भी अधिकार है कि जब तक उसके मुकदमे का निर्णय नहीं आ जाए, तब तक जनता और अदालत के मन में उसके प्रति पूर्वाग्रह पैदा न किया जाए, लेकिन मीडिया ट्रायल के कारण इसका ठीक उलटा हो रहा है। ब्रिटेन में 1981 में शेरिंग केमिकल्स बनाम फॉकमैन के मुकदमे में मीडिया ट्रायल और अभिव्यक्ति की आजादी के अंतरसंबंधों को स्पष्ट किया गया था। लॉर्ड डेनिंग ने कहा था कि अभिव्यक्ति की आजादी स्वतंत्रता की आधारशिला है, किंतु इसे लेकर यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि उसे किसी की प्रतिष्ठा को नष्ट करने, भरोसा तोड़ने या न्याय की धारा को दूषित करने की भी आजादी मिली हुई है। मीडिया ट्रायल पर लगाम लगाने के लिए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई थी। तब न्यायालय ने कहा था कि जब भी किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का मुकदमा शुरू होता है तो मीडिया के कुछ लोगों की दखलंदाजी काफी हद तक बढ़ जाती है। इससे अदालतों तथा अभियोजकों के ऊपर गहरा असर पड़ता है। उनकी वस्तुनिष्ठता को गहरी चोट पहुंचती है। इस पर तुरंत अंकुश लगाने की जरूरत है। इसी तरह की चिंता सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में एमपी लोहिया बनाम पश्चिम बंगाल नामक मुकदमे में भी व्यक्त की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में दखलंदाजी मानते हुए संबंधित लोगों को कड़ी फटकार लगाई थी और आगाह किया था। अदालत की ऐसी अनगिनत फटकारों के बावजूद टीवी चैनलों द्वारा टीआरपी के लालच में मीडिया ट्रायल की प्रवृत्ति घटने के बजाय बढ़ती जा रही है।

कर्मभूमि में निधन, जन्मभूमि में 'हनुमानी प्रवक्ता' का क्रियाकर्म, क्षेत्रवासी स्तब्ध-शोकपूर्ण

मुंबई। दक्षिणमुखी श्रीहनुमान मंदिर (काशी-प्रयाग मध्य) प्रांगण की व्यवस्था देखरेख करने वाली संस्था 'बजरंगआदर्श जनकल्याण समिती' के प्रवक्ता विनोद त्रिपाठी का वैदिक क्रियाकर्म उनकी जन्मभूमि भदोही में जारी है, जिनका निधन कर्मभूमि डोम्बिवली के एम्स अस्पताल में २१ अक्टूबर की सुबह हो गया था। गौरतलब है कि संयुक्त सपरिवार मुंबई के डोम्बिवली में रहने वाले विनोद त्रिपाठी अपने बड़े भाई क्रमशः कमलाशंकर तिवारी व सतिश तिवारी से भी छोटे थे. जिन्होंने श्वास लेने की तकलीफ के मद्देनजर डोम्बिवली के आर आर हास्पिटल (कोरोना पॉजिटिव) अस्पताल में जंग लड़कर जीता, जिसके उपरांत कोरोना निगेटिव के बाद उन्हें सुप्रसिद्ध स्थानीय हाईटेक एम्स अस्पताल में निमोनिया की शिकायत पर शिफ्ट किया गया, जहां वेंटिलेटर पर भी वो हौसला बांधकर मिलने पहुंचने वालों का एक सप्ताह हौसला बढ़ाते रहे लेकिन अचानक २१ अक्टूबर की सुबह वे परिवार सहित शुभचिंतकों को बिलखता छोड़ गए। डोम्बिवली के 'राम नगर मोक्ष धाम' में अंत्येष्टि के बाद उनके सयुंक्त परिवार ने 23 अक्टूबर को अस्थि कलश को 'काशी मोक्ष धाम' पहुंचकर सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में विसर्जित किया। इस दौरान उनके छोटे भाई विनय त्रिपाठी सेनानी और विजय त्रिपाठी (पूर्व बीडीसी) सहित गांव-समाज के लोग उपस्थित रहे। मुंबई से उनकी अस्थियों को नमन करके विदा करने वाले 'सशक्त समाज न्यूज' के वरिष्ठ पत्रकार व विनोद त्रिपाठी के सबसे बड़े भतीजे सुनील तिवारी ने बताया कि आगामी वैदिक क्रियाकर्म पुश्तैनी निवास भदोही जनपद के अकोढ़ा-रोही गांव में शास्त्र मर्मज्ञों की देखरेख में निर्धारित है। ५० से भी कम उम्र में हौसलेबाज हनुमानी प्रवक्ता की अचानक देवलोक यात्रा से उनके परिवार-रिश्तेदार के साथ परिचितों में मुंबई से लेकर गांव तक शोक माहौल पसरा है, जहां सांत्वना देने पहुंचने वालों के भी आंसू छलक रहे हैं। पत्रकार सुनील तिवारी पत्रकार विकास संघ से भी जुड़े है पीवीएस उनके चाचा के अस्मिक निधन पर संवेदना व्यक्त करता है।

मुंबई की विशेष लोकल ट्रेनों में वकीलों को यात्रा की इजाजत

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस महामारी के बीच मुंबई में चल रहीं विशेष लोकल ट्रेनों में मंगलवार से वकीलों को यात्रा करने की अनुमति दे दी गयी है। मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि 27 अक्टूबर से अनुमति प्रभाव में आएगी और 23 नवंबर, 2020 तक लागू रहेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अदालतों में प्रेक्टिस करने वाले वकील और अधिवक्ताओं के पंजीकृत लिपिक भी सभी कार्यदिवसों में सुबह आठ बजे तक, पूर्वाह्न 11 बजे से शाम चार बजे तक और शाम सात बजे के बाद से लोकल ट्रेनों में यात्रा कर सकेंगे।

टीवी एक्ट्रेस पर जानलेवा हमला

मुंबई में मालवी मल्होत्रा को 4 बार चाकू मारा, आरोपी प्रोड्यूसर से फेसबुक पर हुई थी दोस्ती, एकतरफा प्यार में हमला करने का शक

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा पर चाकू से जानलेवा हमला हुआ है। इसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं। मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में और उनका इलाज चल रहा है। खुद को प्रोड्यूसर बताने वाले योगेश नाम के शख्स ने मालवी पर हमला किया है। मालवी की फेसबुक से योगेश ये दोस्ती हुई थी। आशंका है कि एकतरफा प्यार में आरोपी ने एक्ट्रेस पर हमला किया है। फिलहाल, इस बारे में पुलिस ने कुछ नहीं बताया है। वसोर्वा पुलिस के मुताबिक, योगेश ने मालवी पर चार बार चाकू से हमला

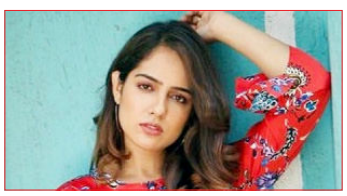

किया है। फिलहाल, एक्ट्रेस की हालत खतरे से बाहर है। मालवी की शिकायत के मुताबिक, आरोपी योगेश महिपाल सिंह से उनकी दोस्ती फेसबुक पर हुई थी। वह काम के सिलसिले में उससे कॉफी कैफे डे में सिर्फ एक बार मिली थी। सोमवार रात वह अपने घर से बाहर निकली तो योगेश अपनी ऑडी कार के बाहर खड़ा था। वह मालवी को बीच सड़क पर रोकने लगा और जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन पर चार बार चाकू से हमला किया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर शुरू हुई जांच: मालवी की शिकायत पर पुलिस ने योगेश के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर रही है। पुलिस को मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी अहम सुराग मिले हैं।

तीन भाषाओं की फिल्मों में एक्ट्रेस ने किया काम: मूलत: हिमाचल की रहने वाली मालवी तेलुगू फिल्म 'कुमारी 21 एफ', तमिल फिल्म 'नदिक्कू एंडी', हिंदी फिल्म 'होटल मिलन', टीवी सीरियल 'उड़ान' में काम कर चुकीं हैं। इसके अलावा उन्होंने कुछ विज्ञापनों में भी काम किया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई पर आतंकी खतरा

खुफिया विभाग के पत्र के बाद मुंबई पुलिस ने अलर्ट जारी कर शहर के सभी प्रमुख स्थानों की सुरक्षा को पुख्ता करने का निर्देश दिया है। मुंबई पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (ऑपरेशन) के ऑफिस की ओर से जारी अलर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी और राष्ट्रद्रोही लोग ड्रोन, रिमोट से चलने वाले माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, एरियल मिसाइल या पैरा ग्लाइडर के माध्यम से यह आतंकी हमला कर सकते हैं। अलर्ट में यह भी आशंका जतायी गई है कि आतंकी भीड़भाड़ वाली जगहें और वीवीआईपी को निशाना बना सकते हैं। कानून व्यवस्था को बिगाड़ने के साथ ही सार्वजनिक संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया जा सकता है। खुफिया विभाग के इनपुट को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने मुंबई में किसी भी फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (उड़ाई जाने वाली वस्तुओं ड्रोन आदि) पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस के अनुसार यह आदेश अगले आदेश या फिर एक महीने तक प्रभावी रहेगा। अगर कोई व्यक्ति इन नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ आईपीसी की धारा-188 के तहत केस दर्ज किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले कोरोना पॉजिटिव

इसीलिए फिलहाल उन्हें घर में ही रहने को कहा गया है। वे एक दिन पहले ही वे राजनीतिक कार्यक्रम में ठुड्डी पर मास्क रखकर शामिल हुए थे। उन्होंने अप्रैल में 'गो कोरोना गो' कहकर लोगों में महामारी के प्रति जागरुकता फैलाई थी। दावा यह भी था कि यह नारा उन्होंने ही दिया है। अठावले ने एक दिन पहले ही एक्ट्रेस पायल घोष को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अ) में शामिल कराया था। इस कार्यक्रम में अठावले ने मास्क तो लगाया था, लेकिन उनका नाक मुंह खुले हुए थे। पायल घोष कुछ दिन पहले फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप पर रेप का आरोप लगा चुकी हैं। अठावले ने इसी साल जून में चाइनीज फूड को भी विरोध किया था। उन्होंने कहा था, रेस्तरां या रोड साइड बिक रहे चाइनीज खाने को पूरी तरह से बैन कर देना चाहिए। मैं भारत के लोगों से अपील करता हूं कि वे चाइनीज सामानों के साथ-साथ चाइनीज खाने का भी बहिष्कार करें। उनके इस रिएक्शन के बाद ट्विटर पर गो कोरोना गो, गो मंचूरियन गो, गो चाइना गो टैग्स टॉप ट्रेंड करने लगे थे। महाराष्ट्र में सोमवार को कोरोना के 3645 नए मामले सामने आए। इसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 16 लाख 48 हजार 665 तक पहुंच चुका है। सोमवार को 84 संक्रमितों की मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार राज्य में अब तक इस महामारी के कारण 43 हजार 344 लोगों की मौत हो चुकी हैं जबकि 1 लाख 34 हजार 137 मरीजों का इलाज चल रहा है। 14 लाख 70 हजार 660 मरीज ठीक हो चुके हैं।

दिल्ली का झपटमार मुंबई में गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शहर में चेन झपटमारी की घटना के सिलसिले में दिल्ली के एक झपटमार को गिरफ्तार किया है। उसने नवरात्रों के दौरान महिलाओं को निशाना बनाने के लिए यहां अंधेरी में 10 दिन के लिए एक घर किराये पर लिया था। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि एक महिला ने चेन झपटने का मामला दर्ज कराया था और पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बाइक का पता लगाने के लिए 100 से ज्यादा सीसीटीवी क्लिप खंगाली। इसके बाद राजेश उर्फ विजय खिच्चड़ (32) और उसके साथी को दबोच लिया गया। उन्होंने बताया कि बाइक खिच्चड़ के साथी रवि बागड़ी के एक रिश्तेदार की थी। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

खिच्चड़ के खिलाफ दिल्ली में झपटमारी और लूट के 80 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। मलाड थाने के एक अधिकारी ने बताया कि जांच में मालूम चला कि वह 14 अक्टूबर को मुंबई आया था और उसने अंधेरी के आनंद नगर में एक घर किराये पर लिया था ताकि वह नवरात्रों के दौरान महिलाओं को लूट सके।

फिर नए केस 50 हजार से कम

मृत्यु दर घटकर 1.5 फीसद पर आई, 22 मार्च के बाद सबसे नीचे रहा आंकड़ा

■ नई दिल्ली (संवाददाता)।

भारत में इस महीने में सोमवार को दूसरी वार 24 घंटे के अंदर 50 हजार से कम नए मामले सामने आए। इस दौरान मरने वालों की संख्या भी 500 से कम रही। वहीं 108 दिनों वाद 24 घंटे में मरने वालों की संख्या 500 से कम है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एक दिन में कोविड-19 के 45,148 नए मामले सामने आने के वाद देश में संक्रमण के मामले वढ़कर 79,09,959 हो गए। वहीं 480 और लोगों की मौत के वाद मृतक संख्या वढ़कर 1,19,014 हो गई। उसने वताया कि कुल 71,37,228 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के वाद देश में मरीजों के ठीक होने की दर वढ़कर 90.23 फीसद हो गई है। वहीं कोरोना से मृत्यु दर 1.50 फीसद है। देश में अभी सात लाख से कम लोगों का इलाज चल रहा है जो कुल मामलों का 8.26 फीसद है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वुधवार को कहा कि भारत में कोविड-19 संवंधी मृत्य दर घटकर 1.5 फीसद रह गई है जो 22 मार्च के वाद सवसे कम है। इसका श्रेय अस्पतालों में भर्ती मरीजों से संवंधित मामलों का चिकित्सकीय प्रवंधन करने के केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वेहतर प्रयासों को जाता है।

मंत्रालय ने कहा कि राजस्थान, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, विहार, ओडिशा, असम और केरल सहित 14 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड-19 संवंधी मृत्यु दर एक फीसद से कम है। इसने कहा कि सरकारी और निजी अस्पतालों में प्रभावी रोकथाम रणनीति, जांच क्षमता में वृद्धि और वेहतर स्तर के चिकित्सकीय प्रवंधन मानकों की वजह से मौत के नए मामलों में काफी कमी आई है। मंत्रालय ने कहा, 'भारत विश्व में सवसे कम मृत्यु दर वाले देशों में शामिल है। 22 मार्च के वाद मृत्यु दर सवसे कम है और यह लगातार कम हो रही है।'

राहत

■ एक दिन में साढ़े तीन माह वाद 500 से नीचे रही मृतकों की संख्या

कोवैक्सीन के तीसरे चरण का परीक्षण भुवनेश्वर में जल्द होगा शुरू

भुवनेश्वर (भाषा)। कोरोना के खिलाफ स्वदेशी टीका कोवैक्सीन के इंसानों पर परीक्षण का तीसरा चरण जल्द ही यहां एक निजी अस्पताल में शुरू होगा। एक अधिकारी ने इस वारे में वताया। चिकित्सा विज्ञान संस्थान और एसयूएम अस्पताल में कम्युनिटी मेडिसीन विभाग में प्रोफेसर और कोवैक्सीन के परीक्षण में प्रधान निगरानी अधिकारी डा. ई वेंकट राव ने रविवार को कहा, कोरोना के लिए उपयुक्त टीका की खोज का काम करीवकरीव अंतिम चरण में है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने आईएमएस और एसयूएम अस्पताल समेत देश के 21 चिकित्सा संस्थानों को तीसरे चरण के परीक्षण के लिए मंजूरी दी है।

बुजुर्गो-वयस्कों दोनों पर कारगर है ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ली/लंदन (वार्ता)। दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के कारण मचे कोहराम के वीच एक अच्छी खवर यह है कि ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन वुजुर्गों और वयस्कों दोनों पर अच्छा असर दिखा रही है। विदेशी मीडिया में आई रिपोर्टो के मुताविक, ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन देने के वाद वुजुर्गों में एंटीवॉडीज और टी सेल वने, जो कोरोना वायरस को मात देने में व्यक्ति को सक्षम वनाते हैं। कोरोना वैक्सीन के परीक्षण में शामिल वुजुर्ग वालंटियर्स की गत जुलाई में जारी ब्लड रिपोर्ट के आंकड़ों के विश्लेषण से यह तथ्य सामने आया है कि वैक्सीन देने के वाद उनमें अच्छी खासी मात्रा में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई है।

कश्मीर में बाहर का निवासी भी जमीन खरीद सकेगा, पर खेती वाली जमीन गैर-खेतीहर को नहीं मिलेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए भूमि कानून से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी किया है। अव कश्मीर और लद्दाख में कोई भी भारतीय जमीन खरीद सकेगा। दोनों केंद्र शासित राज्यों में यह कानून तत्काल लागू होगा। अभी तक कश्मीर में जमीन खरीदने के लिए वहां का नागरिक होने की वाध्यता थी। अव यह वाध्यता केंद्र ने खत्म कर दी है। केंद्र ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन के तहत यह आदेश जारी किया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अव्दुल्ला ने केंद्र के इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने एक ट्वीट किया। इसमें लिखा- जम्मू-कश्मीर के भूमि कानूनों जो वदलाव किया गया है, वह स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अव कश्मीर की सेल चालू होगी और छोटे जमीन मालिकों को तकलीफ होगी।

पहले क्या था कानून?

जम्मू-कश्मीर में पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 और 35-ए हटने से पहले ऐसा व्यक्ति अचल संपत्ति नहीं खरीद सकता था, जो जम्मू-कश्मीर का निवासी ना हो।

आरडी एंड एसएच नेशनल कॉलेज और भामला फाउंडेशन के सहयोग से बांद्रा स्थित झुग्गियों में खाद्य वितरण अभियान संपन्न

मुंबई। चुनौतियां जीवन में हमारे दिमाग, दौड़ व दुनिया को मजवूती प्रदान करने के लिए ही आती हैं। आर डी एंड एस एच नेशनल कॉलेज, हैदराबाद और सिंध नेशनल कॉलेजियट बोर्ड की प्रमुख संस्था और मुंबई के सबसे पुराने शैक्षणिक संस्थानों में से एक है, जो देश में जारी इस तरह की परिस्थितियों के लिए आवश्यक उपकरणों के साथ युवाओं को सशक्त बना ऐसी महामारी जैसी चुनौती को अवसर में वदल रहा है। साथ ही, ऐसे वैश्विक संकट के दौरान नागरिकों व प्रशासन को भी सहायता प्रदान करने में अग्रसर हैं।

हैदराबाद सिंध नेशनल कॉलेजियट बोर्ड इस वात की गवाही देता है कि जिस तरह विभाजन जैसी घडी ऐतिहासिक घटना भी सीखने व विकास में वाधा नहीं डाल सकती। उसी तरह, पिछले 70 वर्षों से इन्होंने भी शिक्षा संस्थानों व शैक्षिक उत्कृष्टता पर कोई समझौता नहीं किया है। अपने 70 वर्षों की आभा को कायम रखते हुए, प्रिंसीपल डॉ. नेहा जगतियानी के सक्षम एवं सहायक प्रशासन के तहत आर डी एंड एस एच नेशनल कॉलेज ने मुंबई के भामला फाउंडेशन के सहयोग से 23 अक्टूबर 2020 को एक खाद्य वितरण अभियान चलाया। आसिफ भामला द्वारा

स्थापित यह एनजीओ (संस्था) अपने उद्देश्य के अनुरूप मुंबई शहर में सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज की सेवा करती है। यह खाद्य वितरण अभियान नेशनल कॉलेज की सामाजिक पहल 'वी द चेंज' का ही एक हिस्सा है। जिसका उद्देश्य मुंबई शहर में समाज की सेवा करना है, जैसे राशन वितरण, वांचितों को भोजन, स्वच्छता, जागरुकता व महिलाओं की स्वच्छता आदि। इस सफल खाद्य वितरण अभियान का शुभारंभ संगीत क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक शान (शांतनु मुखर्जी), भामला फाउंडेशन के सदस्यों और नेशनल कॉलेज के कर्मचारियों व छात्रों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात प्रिंसीपल डॉ. नेहा जगतियानी के स्वागत भाषण के साथ हुआ, जहां उन्होंने अपने महाविद्यालय के 70 वर्षों की गरिमा व समृद्धि पर प्रकाश डाला साथ ही इस पहल का हिस्सा वनने की वधाई उपस्थित जनों को दी। श्री आसिफ भामला ने भी सभी को संवोधित करते हुए सामाजिक जुड़ाव के महत्व की वात की व छात्रों को प्रोत्साहित किया। दिन का सवसे प्रतीक्षित क्षण था, जव संगीत उस्ताद शान (शांतनु मुखर्जी) ने अपनी मधुर आवाज में संगीतमय व प्रेरक भाषण से सभी को संवोधित किया। नेशनल कॉलेज को शुभकामनाएं व इस सामाजिक पहल के लिए वधाई भी दी।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के माध्यम से 'वी द चेंज' पहल की शुरुवात की गई व कॉलेज के आसपास के इलाकों में (झुग्गियों में) रहने वाले लोगों को खाद्य वितरित कर (राशन किट) इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

जमीअत उलमा बीकानेर का विशाल रक्तदान शिविर पीबीएम हॉस्पिटल में 30 अक्टूबर शुक्रवार को

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

बीकानेर। जमीअत उलमा बीकानेर पिछले कई सालों से लगातार हिजरी साल के तीसरे महीने रबीउल अव्वल की 12 तारीख को हजरत मुहम्मद स.अ.व. की प्रेरणा और तालीम से रक्तदान शिविर आयोजित करती आ रही है,जमीअत उलमा बीकानेर के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने वताया कि इस वार रक्तदान शिविर 30 अक्टूबर 2020 शुक्रवार को सुवह 09:00 वजे से पीवीएम हॉस्पिटल वीकानेर में रखा गया है, कासमी ने वताया कि ब्लड कैम्प का मकसद इंसानियत की खिदमत करना है और लोगों को यह पैगाम देना है कि हजरत मोहम्मद साहव का जीवन और आपकी शिक्षा पूरी दुनिया के लिए रहमत और खैर है, पूरी दुनिया मे इस दिन को यौमे रहमत यानी करुणा दिवस के तौर पर मनाया जा रहा है, इसलिए हम सभी लोगों से विनम्रतापूर्वक अपील करते हैं कि इस शिविर में ब्लड डोनेट कर इस कैम्प को कामयाव करें।

ऑनलाइन सम्मान समारोह में मीडिया से जुड़े शख्सियतों को किया गया सम्मानित

महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के ऑनलाइन सम्मान समारोह में महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के फाउंडर, ऑर्गनाइजर तथा डायरेक्टर गिरजा शंकर अग्रवाल ने ऑनलाइन सम्मान समारोह में इंडिया के नामचीन वरिष्ठ पत्रकारो को सम्मानित किया जिसमे पत्रकार कु.कमल कचर कर्डक केसरी मराठवाडा मुंबई शहर, कु.सुनिल ज्ञानदेव भोसले संपादक स्टार टीवी-9 महाराष्ट्र राज्य पत्रकार केसरी मरठवाडा पुणे ग्रामीण पत्रकार हिंदुसम्राट) फिल्मी झलक के प्रधान सम्पादक माननीय राजा राम सिंह, फिल्मी जोहर के वरिष्ठ पी. आर.ओ. माननीय युधिशिठर महतो (कुमार यूडी) मुंबई रफ़्तार के पत्रकार शैलेश गणेश पटेल, सा.पोलीस तपास के पत्रकार श्री गोरख बालु तक्ते जी,नासिक, महाराष्ट्र, अमन कुमार सिद्ध, प्रधान सम्पादक समर इंडिया, अमरोहा, उत्तरप्रदेश, मनोज शुक्ला, कल्याण जैन, समूह सम्पादक एशियन रिपोर्टर पत्र समूह, शैलेश गणेश पटेल, राजूजी गणपत जाधव सम्पादक सा. पोलिस तपास, मालक इत्यादि को सम्मानित किया गया। इनके सम्मान के रूप में महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के द्वारा किये गए ऑनलाइन फिल्म में सक्रिय योगदान के लिए गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के आयोजक गिरजा शंकर अग्रवाल ने कहा कि पत्रकारिता सविंधान का चौथा स्तम्भ हैं। इसके बिना सब अधूरा हैं। मिडिया हर कार्यक्रम को हाईलाइट करती हैं। चाहे कोई भी अच्छा बुरा कार्यक्रम हो कठिन से कठिन परिस्थितियों में पत्रकार हर जगह से समाचार इकठ्ठा करके अपने अपने पाठको तक पहुँचाने का काम करते हैं। जो बहुत ही सराहनीय कार्य हैं। कोरोना महामारी काल में देश के सभी पत्रकारो ने अपनी जान जोखिम में डाल कर हर स्थिति से मुकाबला करते हुए समाचार संकलन का कार्य किया हैं। मे सभी प्रकार बन्धुओ को बहुत बहुत बधाई देता हूं जिन्होंने इस ऑनलाइन फिल्म फेस्टिवल में अपना अग्रहणी सहयोग प्रदान किया।

पब्लिक पॉलिसी की हेड अंखी दास ने कंपनी छोड़ी, हेट स्पीच को बढ़ावा देने का आरोप लगा था

नई दिल्ली। फेसबुक की पब्लिक पॉलिसी की हेड अंखी दास ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। अंखी पर आरोप लगे थे कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हेट कंटेंट को रोकने में वो पक्षपात कर रही हैं। फेसबुक इंडिया के एमडी अजित मोहन ने इस वात की जानकारी दी और कहा कि अंखी अव पब्लिक सर्विस के लिए काम करेंगी। भारत में कंपनी के लिए काम करने वाली शुरूआती एम्पलाई में से एक हैं। उन्होंने 9 साल में कंपनी को आगे वढ़ाने के लिए अहम रोल निभाया है। अंखी भारत के साथ-साथ फेसवुक के दक्षिण और मध्य एशिया की भी डायरेक्टर थीं। यह इस्तीफा ऐसे समय में उन्होंने दिया है, जव हाल में सरकार ने फेसवुक, ट्विटर और अमेजन को तलव किया था। पिछले सप्ताह हेट स्पीच के मामले में अंखी संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सामने पेश हुई थीं। माना जा रहा है कि इस पूछताछ और विवादों में घसीटे जाने से पहले ही अंखी ने इस्तीफा दे दिया।

समस्तीपुर हलचल

जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान जनता का मिल रहा है प्यार और समर्थनः नौशाद

समस्तीपुर। वारिसनगर विधानसभा प्रत्याशी मो0 नौशाद ने विभिन्न पंचायतों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वारिसनगर ब्लॉक के मनियरपुर, रामपुर, मथुरापुर, सारी,पितोजिया, रामनगर, मखदुमनगर, बेगमपुर, नागरबस्ती, बहादुरगंज, खानपुर ब्लॉक के कानु विशनपुर, कादरचक, इलमासनगर आदि गांव का लगातार दौरा करते हुए कहा कि मुझे हर जगह लोगों द्वारा प्यार और समर्थन

मिल रहा है। लोग मुझे नेता नही बेटा, भाई की तरह देख रहे हैं। दस साल तक रहने वाले विधायक अशोक कुमार के द्वारा कोई भी विकास का काम नहीं किया गया है। हर तरफ सड़कें खराब एवं जर्जर है। राशनकार्ड, इंदिरा आवास,नल जल योजना सहित कई सरकारी योजनाओं में लूट मची है। जनप्रतिनिधि चुनाव जीत कर सो गए हैं। परंतु मैं आपके सुःख दुःख में बराबर का हिस्सेदार रहा हूँ। अपने वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से एक बार जीते तो इसकी शक्ल व सूरत बदल जाएगी। क्षेत्र भर्मण में कई लोगों ने माला पहनाकर मो0 नौशाद को सम्मानित किया।

बिहार में होकर रहेगा बदलाव, बदलाव की चल रही आंधीः खुर्शीद

समस्तीपुर। इंसाफ मंच समस्तीपुर के जिला प्रभारी एवम भाकपा माले के सीनियर लीडर डा. खुर्शीद खैर ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अपील की है कि आज बिहार के अंदर एक जबरदस्त बदलाव की लहर चल रही,बिहार के नव जवान बेरोजगारी भुखमरी जातीय व साम्प्रदायिक विभाजन की राष्ट्रविरोधी नीतियों से ऊब कर एक बड़े बदलाव एक ऐसे बदलाव के लिए घड़ों से बाहर निकल आए हैं जिस बदलाव के जरिए समाज के हर वर्ग को हर हाथ को काम हो उन्हें भुखमरी जलालत का दंश झेलना नहीं पड़े किसानों को आत्महत्या करने की आवेशएकता न पड़े बल्कि उनकी उपज का उन्हें समर्थन मुल्य मिले लेकिन इसी बीच कुछ जनविरोधी बिचौलिए टाइप के लोग जनता के ज्वलंत मुद्दे से ध्यान भटका कर उन्हें वही पुराने सुर में सुर मिलाने के लिए प्रयासरत हैं। महा गठबंधन जिस में राजद,कांग्रेस,भाकपा माले,भाकपा और माकपा शामिल

है वो बिहार को इस चुनाव के जरिए इस दल-दल से निकालने के लिए साझा कार्यक्रम के तहत बना है हम लोग एक बड़ा बदलाव लाएंगे जो आने वाले समय में जमीन पर दिखेगा बस आप का साथ चाहिए। महा गठबंधन के समर्थन के लिए पूरी दृढ़ता से खड़ा एक मजबूत सम्प्रदाय हमारा अकलियत समाज उस पर भी बहोत सारे गिद्ध दृष्टि लगाए हुए हैं और इसे मुर्दा समझ कर गोश्त का कुछ टुकड़ा नोच खाने की भी फिराक में मुस्लिम मोहल्ले घूमते बे सर पैर की बहस चलाते और कुछ सीधे साढ़े लोगों को अपने झांसे में जात बिरादरी के नाम पर लाने की कोशिश में हैं जिनसे भी होशियार रहने की जरूरत है।

ब कौल अल्लामा इकबाल के...
मुत्तहिद होंगे तो कहलाओगे गाजी मोमिन।
मुंतशिर होगे तो किस्तों में सफाया होगा ।।

निर्दलिये उम्मीदवार अर्चना रानी का ताबड़तोड़ जन संपर्क अभियान जारी

संवाददाता/जकी अहमद / समस्तीपुर। वारिसनगर विधानसभा के निर्दलिये उम्मीदवार अर्चना रानी का ताबड़तोड़ चुनावी जन संपर्क अभियान जारी है। इसके तहत मंगलवार को कानो बिशुनपुर, राजवाड़ा,चकोटी , खानपुर, चमर बग्घा, कानो समेत अन्य गांव, पंचायतों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान में उम्मीदवार के साथ बिंदेस्वर प्रसाद महतो, राम चन्द्र सिंह, राजेंद्र सिंह, रामचंद्र सिंह, सुरेश पंडित,बिनोद पंडित,मोहम्मद इब्राहिम, राम खिलावड़ महतो, समेत अनेको समर्थक, और कार्यकर्ता शामिल रहे हैं। क्षेत्र के खानपुर चौक के पास मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह निर्दलिये उम्मीदवार में ही संभव है कि दलित- गरीबो का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान हमारे साथ पूरी वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र की जनता है और हमारी पूरी सहयोग कर रही है और हमारे साथ अभियान चलाया जा रहा है। लोग तन मन धन से लगे हुए हैं. मतदाताओं का रूझान इस बार निर्दलिये उम्मीदवार के साथ है. वही श्रीमती अर्चना रानी ने कहा कि यह चुनाव शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, लोकतंत्र, संविधान, देश बचाने को लेकर लड़ रहे हैं। विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं में लूट- भ्रष्टाचार पर लगाम लगाकर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज के मुख्य धारा में लाने की कोशिश मैं करूँगी।

रामपुर हलचल

सरकार के दिशा निर्देशों की खुलेआम उड़ाई जा रही हैं धज्जियां

टण्डा (रामपुर)। नगर व क्षेत्र में मोटर वाहन यातायात नियमों का पालन न कराकर सरकार के दिशा निर्देशों को हवा में उड़ाकर खुलैआम उड़ाई जा रही हैं धज्जियां दो पहिया वाहन ई.रिक्शा,जुगाड़ जैसे वाहन लापरवाही के चलते ऐक्सीडेन्ट जैसी घटना होने का है क्रम जारी, सम्बंधित अधिकारी यातायात नियमों का पालन न कराकर बने बैठें हैं मौन नगर व आस पास के क्षेत्र में मोटर वाहन ई.रिक्शा जुगाड़ व दो पहिया वाहनों की काफी बड़ी संख्या में भरमार है मोटर वाहन यातायात अधिनियम के अन्तर्गत नियमों का खुलैआम पालन न कर दिशा निदेर्शों को ताक में रखकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं मोटर साइकिल पर बैठ कर बिना हेल्मेंट का प्रयोग न कर अपनी सावधानियों को बरतते हुए सफर करने पर बिना किसी भय के चलते उतारू हैं अधिक्तर ऐक्सीडेंट जैसी दुघर्टनाओं का होना आम बात बनकर रह गई है चेकिंग अभियान चलाये जाने के उपरान्त वाहन स्वामी अपनी हरकतों से बाज तक नहीं आ पा रहे हैं चैकिंग के दौरान मामूली तौर पर प्रक्रिया को अपना कर सांठ गांठ के चलते धन व सूली कर यातायात नियमों की धज्जियां

उडाऩे वालों के साथ कोई सख्ती के साथ कार्य वाही करने के बजाय उनको छोड़ दिया जाता है कानून के नियमों का पालन किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है ई.रिक्शा एवं जुगाड़ जैसे वाहनों की काफी भीड़ भाड़ है जो बिना लाइसेंस आदि के रोड पर दौड़ते नजर आ रहे हैं अधिक्तर ई. रिक्शा का संचालन छोटे छोटे बच्चों के द्वारा किया जा रहा है गम्भीर समस्या उत्पन्न होने पर वह अपना नियंत्रण खो बैठते हैं यही स्थिति जुगाड़ वाहन स्वामियों की है ऐक्सीडेन्ट की स्थिति उत्पन्न होने पर बिना लाइसेंस कागजात के जुगाड़ स्वामी अपना जुगाड़ ऐक्सीडेन्ट होने पर छोड़ कर फरार हो लेता है पुलिस द्वारा छानबीन करने के उपरान्त जुगाड़ स्वामी हत्थे नहीं लग पाता है बिना रोक टोक के वाहनों का प्रयोग भारी वाहन के रूप में भी किया जा रहा है जब कि बिना टेक्स परमिट आदि के चलते उन पर रोक तक नहीं लग पा रही है ऐसे में देखा जाय बेलगाम वाहन स्वामियों के होंसले आसमान छूते नजर आ रहे हैं सम्बंधित अधिकारी कार्या वाही करने के बजाय अपनी आंखें बन्द किये बैठे हुए हैं ऐसे में कार्य वाही का किया जाना भी उचित साबित नहीं हो पा रहा है।

नगर के मुख्य बाजार के अंदर दुकानों के सामने अतिक्रमण की गम्भीर समस्या को देखते हुए चलाया गया अभियान

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के मुख्य बाजार के अन्दर दुकानों के सामने अतिक्रमण की गम्भीर समस्या को देखते हुए दुकानों के सामने पुलिस एवं नगर पालिका परिषद के चलते दुकानों के सामने खड़ी बाइकों आदि को लेकर अभियान चलाया गया कुछ बाइकों को केटल केचर में भरकर थाना ले जाया गया अन्य बाइक वालों को मोटर साइकिलों की भनक जैसे ही जब्त किये जाने को लेकर लगी वैसे ही वाहन स्वामी वहां भाग लिये मुख्य मार्ग के दोनों साइडों के किनारे एवं नाले पर फल सब्जी आदि के बेचने वालो के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है उसको कम करने के उद्देश्य से अतिक्रमण

पर नियंत्रण किया जा रहा है कुछ अतिक्रमण करने वालों को चालान भुगतान की धमकी देकर अग्रिम कार्यवाही किये जाने को लेकर उनको छोड़ दिया गया है चेतावनी के बाद भी नहीं मानते हैं उनपर सख्त कार्यवाही कर अमल में लाई जायेगी अतिक्रमण की भरमार के चलते ऐक्सीडेन्ट जैसी दुघर्टनाओं का क्रम जारी है नगर पालिका परिषद एवं पुलिस विभाग की सख्ती के चलते मुख्य मार्ग के दोनों साइडों पर नियंत्रण किया जा सकता है अतिक्रमण अभियान के दौरान दुकानदारों सहित फल सब्जी आदि के ठेले वालों में हड़कम्प की स्थिति बनी रही अतिक्रमण अभियान की समाप्ती के तुरन्त बाद ही अतिक्रमण करने वालों ने दोबारा से अतिक्रमण करने वालों ने दोबारा से चालू कर दिया है अभियान के दौरान ही अमल किया जाता है बाद में स्थिति ज्यों की त्यों बनी रहती है इस दौरान कोतवाल माधो सिंह विष्ट एस. आई. रामवीर सिंह व अन्य पुलिस बल, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा,डालचन्द, सुरेश, सुदेश, नरेश, फारूक अक्खू आदि मौजूद रहे।

बुलढाणा हलचल

बुलढाणा में स्वाभिमानी ने महावितरण मुख्यालय को लगाया कुलुप, ग्राहकों को अव्वा का सव्वा बिजली बिल देने वाली महावितरण के खिलाफ विरोध किया

बुलढाणा। स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के राज्य नेता रविकांतजी तुपकर के नेतृत्व में स्वाभिमानी ने लॉकहीन अवधि के दौरान संपूर्ण बिजली की छूट की मांग करने के लिए स्वाभिमानी की ओर से बुलडाणा मुख्यालय पर ताला लगा दिया। ग्राहकों को अव्वा का सव्वा बिजल बिल देने वाली महावितरण के खिलाफ विरोध किया गया। स्वाभिमानी

शेतकारी संगठन के संस्थापक अध्यक्ष राजू शेट्टी और आंदोलन के वरिष्ठ नेता एन.डी. पाटिल के नेतृत्व में 27 अक्टूबर को बिजली बिल माफी के लिए राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगारविकांत तुपकर ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने बिजली बिल माफ नहीं किया तो और आंदोलन होगा। आंदोलन के दौरान पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई थी।आंदोलन मे 'स्वाभिमानी' के विदर्भ युवा कार्याध्यक्ष राणा चंदन , शे.रफिक शे.करीम, ज्ञानेश्वर कल्याणकर, महेंद्र जाधव, कडूबा मोरे, रशिद पटेल, दत्ता पाटील, गजानन गवळी, संतोष गवळी, मनोज जैस्वाल, रमेश जोशी, संकेत मेढे , शे.हारूण, रामदास खसावत, रघु खसावत, सैय्यद जहरोद्दीन, निखिल पाटील, सागर मेढे, संदीप पवार, अजाबराव तायडे, शुभम महाले, विठ्ठल चौथे, सुभाष जगताप हरिदास पाटिल, जयंत गवई के साथ कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

मधुबनी हलचल

पथरा-खिरमा कार्यालय उद्घाटन में नेताओं और कार्यकर्ताओं की संख्या बता रही है कि विपक्षियों की जमानत जब्त हो जाएगीः सिद्दीकी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

केवटी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम प्रत्याशी अपनी जीत सुनिश्चित करने में जुटे हैं। केवटी से महागठबंधन के प्रत्यशी अब्दुल बारी सिद्दीकी के साथ तो जैसे हर वक़्त कार्यकर्ताओं का हुजूम उनको घेरे हुए नजर आ रहा है। क्या बड़े और क्या छोटे नेता और क्या कार्यकर्ता पार्टी और विचारधारा से अलग भी लोग सिद्दीकी के लिए चुनावी मैदान में घर घर जाकर वोट मांग रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को केवटी विधानसभा से महागठबंधन के प्रत्याशी और राजद के कद्दावर नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने भी चुनावी तैयारियों को और धार देने के लिए पथरा खिरमा स्थित पेट्रोल पंप के समीप कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जदयू छोड़ कर कई नेताओं ने भी तेजस्वी यादव के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए राजद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के जिलाध्यक्ष राम नरेश यादव, ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम, राजकिशोर यादव, रामचन्द्र साह, भोला सहनी, नारायण जी झा, अहमदुल्लाह, मो०.तारिक, मो० राशिद, असद, राजद केवटी प्रखंड अध्यक्ष फूल कुमार राम, वरिष्ठ अधिवक्ता कौसर इमाम हाशमी, जकी अहमद, नूरैन अहमद, फतेह अहमद, प्रदीप आदि सजारों लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में स्पष्ट कर दिया कि इस बार केवटी सहित पूरे बिहार में बदलाव तय है और अबकी बार तेजस्वी यादव ही बिहार की कमान संभालेंगे।

अब्दुल बारी सिद्दीकी उसूलों का आदमी है, भाजपा और उनके चेलों की हार तय है

संवाददाता/मो सालिम आजाद

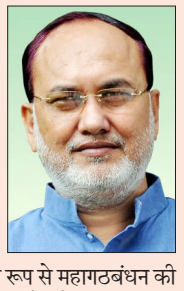

मधुबनी। जनमत का सामना किये बिना सत्ता की मलाई चाटने वाले सुशील मोदी से और कोई उम्मीद भी नहीं रखनी चाहिए। ओछेपन में पीएचडी है इनकी। सुशील बाबू तुम लोग अपनी हार को लेकर कितने आश्वस्त हो तुम्हारी इस हरकत से साफ पता लग रहा है। हंसी मजाक और 5 साल के फिक्स्ड कोटे से बिना चुनाव लड़कर कुर्सी सेकने के बयान को कितनी घटिया तरीके से इस्तेमाल कर रहे हो, देखकर ही हंसी आती है। ख्वाब देखना अच्छी बात है, झूठ फैलाना बुरी बात है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है और निश्चित रूप से महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। भाजपा और उनके चेलों की हार तय है और अब्दुल बारी सिद्दीकी उसूलों का आदमी है। न कभी झुका है, न कभी झुकेगा। न कभी डरा है, न कभी डरेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्दियों में क्यों खानी चाहिए गाजर, जानिए इसके बेमिसाल फायदे

सर्दी के मौसम में खान-पान का खास-ख्याल रखना पड़ता है। सर्दी के मौसम में लोग ज्यादातक साग, बथुआ और गाजर की सब्जी खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके इलावा इस मौसम में रोजाना 1 कच्ची गाजर और इसके जूस का सेवन कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। कैरीटोनॉइड, पोटैशियम, विटामिन अ और ए के गुणों से भरपूर गाजर का सेवन कैंसर और दिल की बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा कच्ची गाजर या इसके जूस का सेवन इम्यून पॉवर को भी बढ़ाता है। आप इसे सब्जी, सलाद, जूस या सूप किसी भी तरह से डाइट में शामिल कर सकते है। तो आइए जानते है सर्दियों में खाई जाने वाली गाजर से मिलने वाले फायदे के बारे में।

1. कैंसर

गाजर में पाया जाने वाला कैरीटोनॉइड शरीर के इम्यून पॉवर बढ़कर बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव करता है।

2. सर्दी-खांसी

150 ग्राम गाजर, 3 लहसुन और लौंग की चटनी बनाकर रोजाना सुबह खाने से पुरानी या सर्दी की खांसी दूर हो जाएगी। इसके अलावा इससे सर्दियों में होने वाली बीमारियां भी दूर रहती है।

3. दिल

क ा

रखें खयाल

रोजाना 1 कच्ची गाजर को भून कर खाने से दिल स्वस्थ रहता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन, अल्फा कैरोटीन और लुटेइन जैसे एंटीऑक्सीडेंट गुण हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों को दूर करते है।

4. ब्लड प्रेशर कंट्रोल

रोज 1 गिलास गाजर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसमें मौजूद पोटैशियम ब्लड प्रेशर को घटने या बढ़ने नहीं देता। इसके अलावा इसके जूस का सेवन शरीर को भी गर्म रखता है।

5. खून की कमी

गाजर में भरपूर आयरन और विटामिन ए पाया जाता है, जिससे शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान इसका सेवन हैवी ब्लड फ्लो को कम करने में मदद करता है।

6. यूरिन में इंफेक्शन

इसमें आंवला का रस और काला नमक मिला कर खाने से यूरिन में इंफेक्शन और जलन की समस्या से छुटकारा मिल जाता है।

7. आंखों की रक्षा

गाजर में भरपूर मात्रा में विटामिन अ पाया जाता है, जो आंखों के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन मोतियाबिंद और एनीमिया जैसी बीमारियों को दूर करता है।

8. स्किन समस्याएं

गाजर का सेवन खून से गंदगी को अलग करके यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। जिससे स्किन हेल्दी रहती है और दाग-धब्बे, कील-मुंहासें जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

9. गठिया

गाजर खाने से गठिया, पीलिया और अपच की समस्यां से छुटकारा पाया जा सकता है। गाजर का सेवन पेट की सफाई करता है। इसके अलावा पीलिया के मरीजों के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

10. पथरी की समस्यां

दिन में 2 बार गाजर के जूस का सेवन किडनी स्टोन की प्रॉब्लम को खत्म करता है। इसके अलावा पथरी से छुटकारा पाने के लिए गाजर का मुरब्बा भी फायदेमंद होता है।

5 तरीके से इस्तेमाल करें हल्दी चेहरे की हर प्रॉबल्म होगी कम

भागदौड़भरी जिंदगी में लोग सेहतमंद और खूबसूरत दिखने के लिए कई महंगे प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते है। जो फायदे जगह नुकसान भी पहुंचा सकते है। हमारी किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती है, जो हमारी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। आज हम आपको उसी के बारे में बताने जा रहे है, जिसका कोई साइड-इफैक्ट भी नहीं होता।

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हर घर में किया जाता है। हल्दी जहां खाने के स्वाद को बढ़ाती है, वहीं यह सेहत से जुड़ी कई प्रॉबल्म को भी दूर रखती है लेकिन आज हम हल्दी के स्वास्थ्य फायदों को छोड़ कुछ ब्यूटी फायदों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में हम सभी को पूरी जानकारी होना चाहिए। हल्दी से बने फैसपेक से आप स्किन से जुड़ी कई प्रॉबल्म से तुरंत छुटकारा पा सकते है। आज हम आपको हल्दी से बने कुछ फैसपेक के बारे में बताएंगे, जिन्हें ट्राई करके जरूर देखें, काफी फायदा मिलेगा।

1. हल्दी और बेसन

सर्दियों में त्वचा काफी शुष्क हो जाती है। ऐसे में हल्दी के पेक लगाने से चेहरे पर नमी के साथ ग्लो भी बना रहता है। पेक बनाने के लिए 5 चम्मच बेसन में एक चौथाई चम्मच हल्दी और 4 चम्मच कच्चा दूध व एक चम्मच शहद मिलाएं। अब इस पेक को 15-20 मिनट तक चेहरे और गर्दन पर लगाएं। थोड़ी देर बाद पानी से धो दें।

2. हल्दी और अंडा

एक अंडे में आधा चम्मच जैतून या बादाम का तेल, आधा चम्मच गुलाबजल, आधा चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच हल्दी लेकर अच्छी तरह मिला लें। फिर इस पेस्ट को 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर साफ पानी से धोएं। इससे ड्राई स्किन पर नमी आएगी।

3. हल्दी और चंदन

हल्दी और चंदन का लेप लगाने से त्वचा के रोम छिद्रों से तेल निकलना कम होता है। साथ ही मुहासों की समस्या भी दूर होती है। लेप को तैयार करने के लिए 2 चम्मच चंदन पाउडर में 3 चुटकी हल्दी पाउडर और 2 चम्मच दूध मिलाएं। फिर इस लेप से चेहरे की 10-15 मिनट तक मसाज करें। फिर सूखने के बाद पानी से धो लें। इससे त्वचा में निखार आएगा।

4. हल्दी और दही

हल्दी और दही का पैक सन टैन और त्वचा की सफाई अच्छे से करता है। इस पैक को तैयार करने के लिए आधे चम्मच हल्दी पाउडर में 1 चम्मच दही मिलाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो लें।

5. हल्दी और नींबू

नींबू और हल्दी का पैक ब्लीच की तरह काम करता है। इस पैक को तैयार करने के लिए एक चम्मच हल्दी में दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को अपने फेस पर 20 मिनट तक लगाएं। इससे आपकी स्किन अच्छे से निखर जाएगी।

6. हल्दी और शहद

अगर आपकी स्किन पर झुर्रियां पड़ रही है तो आप हल्दी और शहद का फेसपैक इस्तेमाल करें। इस पैक को बनाने के लिए शहद और हल्दी में थोड़ी सी बूंदे गुलाब जल की मिलाएं। फिर इसे अपने गर्दन और चेहरे पर लगाएं।

शरीर में फाइबर की कमी होने पर खाएं ये आहार

शारीरिक विकास और स्वस्थ रहने के लिए फाइबर बहुत जरूरी है। यह भोजन को पचाने में सहायक है। इसकी कमी होने पर बावसीर, कोलेस्ट्रोल, कब्ज, शुगर लेवल बढ़ना जैसी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फाइबर युक्त भोजन का सेवन करने से कैंसर, मोटापा, दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को अलग-अलग मात्रा में फाइबर की जरूरत होती है। पुरूषों को दिन में 35 से 40 ग्राम और महिलाएं रोजाना 25 ग्राम फाइबर का सेवन जरूरी होता है। क्योंकि अधिक मात्रा में फाइबर खाने से कई बार शरीर को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको किन चीजों को खाने से फाइबर की कमी पूरी होती है उसके बारे में बताएंगे। तो आइए जानते फाइबर युक्त पदार्थों के बारे में।

1. ओट्स

नाशते में ओट्स खाने से शरीर में फाइबर की कमी पूरी हो जाती है और सारा दिन एनर्जी बनी रहती हैं। आप इसका डोसा या उत्तपम बना कर भी खा सकते है। 100 ग्राम ओट्स में 1.7 ग्राम फाइबर होता है जो शरीर को स्वस्थ रखते है।

2. गेहूं

गेहूं से बनी चीजों का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा चकोर वाले आटे की रोटी खाने से भी शरीर को भरपूर फाइबर मिलता है।

3. फल

सेब, नाशपाती जैसे फलो में फाइबर होता है। इन को अच्छे से धो कर बिना छिलका उतारे खाएं क्योंकि फाइबर इनके छिलको में ही होता है।

4. ब्रोकली

विटामिन-सी, कैल्शियम और फाइबर के गुणों से भरपूर ब्रोकली को उबालकर या भूनकर भी खाने से कई बीमारियां दूर रहती हैं।

5. ड्राई फ्रूटस

ड्राई फ्रूटस, दहीं, सलाद और अनाज रोजाना एक मुठ्ठी सेवन कैंसर जैसी बीमारियों से बचाता है।

6. भुट्टा

एक भुट्टे में करीब 4 ग्राम फाइबर होता है। रोजाना 1 भुट्टे का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जैकलीन की दरियादिली

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज अपनी सकारात्मक सोच और पॉजिटिव वाइब्स के जरिए हर किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में ऐसा फिर देखने को मिला जब जैकलीन ने अपने एक स्टाफ मेंबर के लिए दशहरा के त्योहार को यादगार बना दिया। दशहरा के शुभ अवसर पर अपने एक स्टाफ मेंबर के लिए जैकलीन ने एक कार गिफ्ट के रूप में दी है। सोर्स के मुताबिक, जैकलीन के स्टाफ का ये मेंबर उनके साथ तब से है जब से एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में डेब्यू किया है। जैकलीन ने भले ही ये कार गिफ्ट की थी लेकिन वे खुद ये नहीं जानती थीं कि कार की डिलीवरी कब होगी। कार को बतौर एक सरप्राइज सेट पर डिलीवर किया गया था। जैकलीन उस समय शूटिंग कर रही थीं। यही कारण है कि वे एक ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर की वर्दी में दिखाई दे रही हैं। जैकलीन को सेट पर पूजा करते हुए देखा जा सकता था। साथ ही कार डिलीवर होने के बाद नारियल भी फोड़ा गया था।

शाहरुख की फिल्म में आलिया की मां बनेंगी शेफाली शाह!

शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट आलिया भट्ट और विजय वर्मा को लेकर डार्क कॉमेडी फिल्म 'डार्लिंग्स' बना रही है। अनुराग कश्यप की फिल्म 'चोकड' में नजर आ चुके रोशन मैथ्यू ने हाल ही में फिल्म की स्टारकास्ट को ज्वाइन किया है। अब इस फिल्म को लेकर एक ताजा जानकारी सामने आई है कि दिग्गज एक्ट्रेस शेफाली शाह भी फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डार्लिंग्स' एक महिला प्रधान फिल्म होगी, जिसमें आलिया भट्ट, विजय वर्मा की पत्नी का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म में विजय वर्मा का किरदार अपनी पत्नी से खूब मारपीट करता है। शेफाली शाह फिल्म में आलिया भट्ट की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। जब फिल्म की स्क्रिप्ट शेफाली के सामने रखी गई तो उन्हें यह बेहद पसंद आई। खबरों की मानें तो फिल्म की कहानी साउथ बॉम्बे की मां-बेटी की जिंदगी के आसपास घूमती दिखाई देगी। फिल्म में शेफाली और आलिया, विजय वर्मा का अपहरण कर लेती हैं, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब विजय वर्मा अचानक उनकी गिरफ्त से गायब हो जाता है।

वरुण धवन करेंगे अमिताभ बच्चन की फिल्म का रीमेक!

निर्माता मुराद खेतानी ने 1982 में रिलीज हुई फिल्म नमक हलाल को फिर से बनाने के राइट्स खरीद लिए हैं। प्रकाश मेहरा निर्देशित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, स्मिता पाटिल, शशि कपूर और परवीन बॉबी ने लीड रोल बनाए थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी, आज रपट जाए तो, रात बाकी, जवानी जानेमन जैसे गानें आज भी सुने जाते हैं। अमिताभ बच्चन ने इस फिल्म में मारधाड़ करने के साथ-साथ कॉमेडी भी की थी। उनका यह अंदाज खासा पसंद किया गया था और तब बात उठी थी कि यदि अमिताभ कॉमेडी भी करेंगे तो कॉमेडियन का क्या होगा? मुराद खेतानी ने यह स्पष्ट किया है कि नमक हलाल की स्क्रिप्ट को आज के दौर से लिखा जा रहा है। कहानी का मूल भाव तो वही रहेगा, लेकिन आज के दर्शकों की पसंद के मुताबिक कुछ बदलाव इसमें होंगे। फिलहाल यह काम किया जा रहा है और स्क्रिप्ट फाइनल होने के बाद ही निर्देशक और कलाकारों का चयन होगा। यह तो हो गई मुराद की बात, लेकिन बॉलीवुड के खबरची तो खबर सूंघ ही लेते हैं। उनका कहना है कि फिल्म का हीरो और निर्देशक फाइनल हो चुके हैं। वरुण धवन 'नमक हलाल' के रीमेक में अमिताभ वाला रोल निभाएंगे।